दिनांक 5 जुलाई, 2015 को पूर्वाह्न 10:30 बजे आर्यभट्ट सभागार, मोरहाबादी, राँची में हिन्दी दैनिक समाचारपत्र ''प्रभात खबर'' द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:-

सर्वप्रथम मैं आज इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पुरस्कार पानेवाले प्यारे छात्र/छात्राओं और उनके अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देती हूँ।

विगत कुछ वर्षों से राज्य के छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के मकसद से दैनिक समाचारपत्र प्रभात खबर द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक अच्छी सोच एवं कोशिश है। इस प्रकार के कार्यक्रम से न केवल पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के मनोबल में वृद्धि होती है, बल्कि अन्य छात्र-छात्राएँ भी बेहतर करने की दिशा में प्रेरित होते हैं। समाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील होकर इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करने हेतु मैं दैनिक समाचारपत्र ''प्रभात खबर''की सराहना करती हूँ।

मेरे प्यारे बच्चों, मुझे जब प्रभात खबर के संपादक श्री विजय पाठक जी व मुख्य संवाददाता ने कहा कि समाचारपत्र द्वारा मेधावी बच्चों को सम्मानित करने का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, तो आपको सम्मानित करने के कार्यक्रम से अपने को अलग नहीं रख

सकी। बच्चों, आपको बताना चाहूँगी कि दसवीं और 12वीं की परीक्षा, जिसमें आपने सफलतायें अर्जित की हैं, यही आपकी जिंदगी की अन्तिम परीक्षा नहीं है। आगे आनेवाले जीवन के हर दिन, हर क्षण परीक्षा होती रहेगी। मुझे आशा है कि आप सभी जिस किसी भी क्षेत्र का चयन करेंगे, उस क्षेत्र में अपनी लगन व मेहनत एवं समर्पण से सफलतायें अर्जित करेंगे। साथ ही अपने कर्मों से परिवार, समाज, राज्य के साथ राष्ट्र का नाम रौशन करेंगे। इस पथ पर आप अनवरत आगे बढ़ें, मेरा आशीर्वाद आपके साथ है।

प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है। यह व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास में अहम है। विकसित समाज की स्थापना में शिक्षा सशक्त माध्यम है। शिक्षा प्राप्त करने हेतु कठिन मेहनत व परिश्रम से कभी नहीं भागना चाहिये। शिक्षा से व्यक्ति के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास होता है। इसके द्वारा ही क्षमता, संभावनाओं के विकास आदि की दिशा में गंभीरतापूर्वक ध्यान दिया सकता है। मनुष्य में दायित्व बोध उत्पन्न कराने की दिशा में यह एक सशक्त माध्यम है। सही और गलत का बोध कराती है। इसके द्वारा हम गरीबी और अज्ञानता को मिटा सकने की दिशा में सफलतायें अर्जित किया जा सकता है।

आज जहाँ समाज में बहुत सी कुप्रथायें व अंधविश्वास है। वर्त्तमान समाज में डायन–प्रथा, छुआछूत आदि सामाजिक कुरीतियाँ व्याप्त हैं, ये हम सभी के लिए दु:खद है। इसका निदान शिक्षा के माध्यम से ही जागरूक कर किया जा सकता है। शिक्षा राष्ट्र के उन्नति व समृद्धि का न केवल आधार है, बल्कि सामाजिक जागृति में अहम किरदार। यह मनुष्य को उदार, चरित्रवान और विचारवान बनाने के साथ–साथ उसमें नैतिकता की भावना भी विकसित करती है तथा राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य व दायित्वबोध से अवगत कराती है। यह व्यक्ति को विनयशील और सुयोग्य बनाती है। शिक्षा का महत्व हर काल में रहा है। आज प्रतियोगिता के इस युग में स्वयं को, समाज को विकसित करने हेतु शिक्षा बेहतर तरीके से हासिल करने की दिशा में तत्पर रहना होगा।

बच्चों, आप राष्ट्र के भविष्य हैं। भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक दशायें आप पर ही निर्भर है। इसलिए आप इस समय का सही उपयोग करें। प्रतियोगिता के इस युग में आपको दक्ष होना होगा। राष्ट्र को और सशक्त बनाने का दायित्व आप पर ही है। आप राष्ट्र के कर्णधार और वास्तविक शक्ति हैं। खुशी की बात है कि हमारा देश के युवा आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं। भारत के वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर तथा शिक्षाविद्

देश ही नहीं, विदेशों में भी अपने ज्ञान को मानव सेवा में लगा रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पूरी दनिया में अपनी मस्तिष्क का लोहा मनवाया है।

इस अवसर पर मैं यह भी कहना चाहूंगी कि बहुत से मेधावी बच्चे अर्थाभाव में नहीं पढ़ पाते हैं। मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से पता चलता है कि बहुत से छात्र–छात्रायें मजदूरी कर बेहतर अंक से पास की है तथा बहुत के माँ–बाप कम आय के कारण मेधावी रहने के बावजूद अपनी संतान को आगे शिक्षा सुलभ कराने में असक्षम महसूस करते हैं। ऐसे मेधावी बच्चे आगे शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक समस्या उनके समक्ष बड़ी चुनौती है। ऐसे में सम्पन्न लोगों से कहना चाहूँगी कि वे समाज के प्रति अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी का निर्वहन करने की दिशा में आगे आकर गरीबों को पढ़ाने में मदद करें। कॉरपरेट घराने, स्वयंसेवी संस्थायें इस दिशा में सक्रियता के साथ अपनी अहम भूमिका अदा करें।

मैं प्रभात खबर अखबार को इस प्रकार के सराहनीय कार्य के लिए बधाई देती हूँ।

जय हिन्द!